नवभारत टाइम्स

Tue, 22 Jan 2019

डीआरडीओ की प्रौद्योगिकी से नागरिक जरूरतें भी पूरा हो सकती हैं

केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री सुभाष भामरे ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठ (डीआरडीओ) द्वारा रक्षा उद्देश्यों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल नागरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि आग लगने की घटनाओं से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सुरक्षा और संरक्षा को आपस में जोड़ने की आवश्यकता है। डीआरडीओ मुख्यालय में 'अग्नि सुरक्षा प्रौद्योगिकी एवं सेवा कार्यशाला' में भामरे ने कहा कि राज्य के सभी विभागों के लिए प्रौद्योगिकी को सार्थक बनाने के विचार पर काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''सुरक्षा को संरक्षा से जोड़ने की जरूरत है और डीआरडीओ द्वारा रक्षा उद्देश्यों के लिए विकसित प्रौद्योगिकी का उपयोग नागरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भी किया जा सकता है ताकि आग लगने की घटनाओं से अधिक प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।'' उन्होंने बताया कि इस प्रौद्योगिकी का विकास 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किया जाएगा जिसे धीरे-धीरे दूसरे देशों में भी निर्यात किया जाएगा। डीआरडीओ के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने कहा कि डीआरडीओ अभी केवल रक्षा बलों के लिए प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है लेकिन इसे दमकल सेवाओं के इस्तेमाल के अनुकूल भी बनाया जा सकता है।